Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/2021-2023 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

वर्ष-३३ अंक-१५-१६ प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो ०१ - ३१ अगस्त २०२३ (संयुक्तांक) पृष्ठ १२ मूल्य:२० रु.मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

हमें भ्रष्टाचार,परिवारवाद और तुष्टिकरण के विरुद्ध पूरी शक्ति से लड़ना होगाः प्रधानमंत्री मोदी

पसूका/नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ७७वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से देशवासियों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, अगर सपनों को पूरा करना है, संकल्पों को सिद्ध करना है, तो भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण, हमें इन तीन बुराइयों के खिलाफ पूरे सामर्थ्य के साथ लड़ना होगा। यही समय की मांग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहली बुराई भ्रष्टाचार है जो हमारे देश की सभी समस्याओं की जड़ में है। श्री मोदी ने कहा, "भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए हर क्षेत्र और हर सेक्टर में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई समय की मांग है और मेरे देशवासियों, मेरे प्यारे परिवारजनों, ये मोदी की प्रतिबद्धता हैय यह मेरी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता है कि मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ना जारी रखूंगा। दूसरी, वंशवादी राजनीति ने हमारे देश को नष्ट कर दिया है। उन्होंने आगे कहा, इस वंशवादी व्यवस्था ने देश को जकड़ लिया था और देश के लोगों के अधिकार छीन लिए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि तीसरी बुराई तुष्टिकरण है। उन्होंने कहा, "इस तुष्टिकरण ने देश की मूल सोच, हमारे समरस राष्ट्रीय चरित्र पर भी दाग लगाया है। इन लोगों ने सब कुछ नष्ट कर दिया, और इसलिए, हमें इन तीन बुराइयों के विरुद्ध अपनी पूरी शक्ति से लड़ना होगा। भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरणय ये चुनौतियां पनपीं जिन्होंने हमारे देश के लोगों की आकांक्षाओं को दबा दिया। उन्होंने कहा, ये बुराइयां हमारे देश में कुछ लोगों की जो भी क्षमताएं हैं उन्हें छीन लेती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "ये वो चीजें हैं जो हमारे लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर सवालिया निशान लगाती हैं। हमारे गरीब हों, चाहे दलित हों, चाहे पिछड़े हों, चाहे पसमांदा समुदाय हों, चाहे हमारे जनजातीय भाई-बहन हों, चाहे हमारी माताएं-बहनें हों, हम सबको अपने अधिकारों के लिए इन तीन बुराइयों से छुटकारा पाना होगा।

प्रधान कार्यकारी निदेशक इन्फ्रा ने किया विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

रे.स.ब्यू./संवा. प्रयागराज में डीएफसीसीआईएल के अ परेशन कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) का प्रधान कार्यकारी निदेशक इन्फ्रा-रेलवे बोर्ड मुकुल सरन माथुर ने दिनांक २७.०७.२०२३ को निरीक्षण किया। ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) में निदेशक (परिचालन और व्यवसाय विकास) ने मालगाड़ी संचालन के लिए ओसीसी में उपयोग किए गए सभी तकनीकी विकास युक्त उपकरणों के बारे में जानकारी दी। इसमें वीडियो वॉल पर गाड़ियों की लाइव स्ट्रीमिंग, हॉट एक्सल डिटेंशन सिस्टम, मशीन दृष्टि आधारित निरीक्षण सिस्टम (MVIS), ओवरहेड उपकरणों को नियंत्रित करने के लिए SCADA प्रणाली सम्मिलित हैं। इस दौरान कार्यकारी निदेशक इन्फ्रा, रेलवे बोर्ड, निदेशक (परिचालन एवं व्यवसाय विकास) डीएफसीसीआईएल, निदेशक (परियोजना व योजना), कार्यकारी निदेशक परियोजना प्रबंधन, कार्यकारी निदेशक परिसंपत्ति प्रबंधन, मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज, सीजीएम/एसएंडटी/प्रयागराज (पूर्व), जीएम/समन्वयन/प्रयागराज (पश्चिम), महाप्रबंधक /सुरक्षा, अपरमहाप्रबंधक/परिचालन और व्यवसाय विकास /प्रयागराज, संयुक्त महाप्रबंधक /ओपी एवं बीडी/कारपोरेट कार्यालय, वरिष्ठ संभागीय संचालन प्रबंधक / सीओ/प्रयागराज, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता संचालन, के साथ भारतीय रेलवे और डीएफसी के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके पश्चात मुकुल सरन माथुर ने प्रयागराज (न्यू मनौरी) से न्यू बोराकी (५६६ Kms) तक निरीक्षण गाड़ी से मैराथन विंडो इंस्पेक्शन किया। इसी क्रम में उन्होंने निरीक्षण गाड़ी से न्यू दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन स्टेशन से न्यू सोन नगर जंक्शन (११२ Kms) और न्यू सोन नगर जंक्शन से प्रयागराज (२८६ Kms) तक विंडो इंस्पेक्शन किया। इस दौरान सभी स्टेशनों की जानकारी ली और साथ में भविष्य में गाड़ियों को बढ़ाने के लिए प्रबंध निदेशक, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और वरिष्ठ रेलवे और डी एफ सी अधिकारियों के साथ वार्तालाप की।

इसके लिए न्यू चिरैलापाथु में लूप लाइंस/ स्टैबलिंग लाइन का निर्माण, वर्तमान में डी एफ सी और इंडियन रेल्वे के कनेक्टिंग लाइन पर दोहरीकरण के कार्यों को पूर्ण करना, जैसे चुनार-न्यू डगमगपुर, शुजातपुर-न्यू शुजातपुर, भीमसेन-न्यू भीमसेन आदि विषयों पर चर्चा की। निरीक्षण के क्रम में न्यू कानपुर में डीएफसीसी द्वारा चालक दल, ट्रेन प्रबंधकों के आराम करने के लिए ०६ घर (अस्थायी) की व्यवस्था की पीईडी इन्फ्रा द्वारा जांच की गई। मुकुल सरन माथुर, प्रधान कार्यकारी निदेशक इन्फ्रा-रेलवे बोर्ड ने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में चल रहे कार्यों की प्रशंसा की और देश की उन्नति में माल ढुलाई द्वारा डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की भूमिका को सराहा।

दुर्ग एवं हटिया के बीच द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार

रे.स.ब्यू./सूत्रः बिलासपुर । रेल यात्रियो की सुविधाओ को ध्यान में रखते हुये रेल प्रशासन के द्वारा दुर्ग -हटिया-दुर्ग के मध्य चल रही ०८१८५ / ०८१८६ हटिया-दुर्ग-हटिया द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल की सुविधा २८ जुलाई, २०२३ तक चल रही है, इस गाड़ी के परिचालन को दिनांक २६ सितम्बर, २०२३ तक विस्तार किया जा रहा है । यह गाड़ी दुर्ग से हटिया के लिये प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार को यह गाड़ी दिनांक ०१ अगस्त से २८ सितम्बर, २०२३ तक ०८१८५ नंबर के साथ चलेगी । इसी प्रकार विपरीत दिशा मे भी यह ट्रेन हटिया से दुर्ग के लिए प्रत्येक मंगलवार एवं गुरुवार को दिनांक ०२ अगस्त से २६ सितम्बर, २०२३ तक ०८१८६ नंबर के साथ चलेगी । इस गाड़ी में ०२ एसएलआर, ०५ सामान्य, ०१ एसी टू एवं ०४ स्लीपर सहित कुल १२ कोच रहेगे ।

रेलवे अस्पताल प्रयागराज में MIPH का हुआ शुभारम्भ

रे.स.ब्यू./सूत्र। चिकित्सा निदेशक डॉ० एस० के० हाण्डू नई तकनीक के लिए सदा प्रयासरत रहते हैं। इसी क्रम में रेलवे अस्पताल प्रयागराज में बवासीर एवं भगंदर के मरीजों के लिए Minimum invasive Procedure for Hemorrhoids (MIPH) का शुभारम्भ हो गया है। इसी क्रम मे दिनांक १७.०७.२०२३ को सुरेश कुमार मिश्रा, लोको पायलट/मेल का एम आई पी एच द्वारा बवासीर का सफलतापूवर्क Stapled Hemorrhoidopexy डॉ० संजय कुमार, वरिष्ठ सर्जन एवं टीम के द्वारा विभागाध्यक्ष मोती लाल नेहरू मेडिकल क लेज डॉ० शबी अहमद के मार्ग दर्शन में किया गया। इस ऑपरेशन से मरीज को तुरन्त आराम मिलता है एवं उसी दिन मरीज को डिस्चार्ज कर दिया जाता है। यह अ परेशन शहर के कुछ ही अस्पतालों में उपलब्ध है। मरीजों को इस ऑपरेशन के लिए दिल्ली एवं अन्य शहरों में जाना पड़ता था। इस ऑपरेशन का खर्च बाहर के अस्पतालों में लगभग ८० हजार से १ लाख रूपये तक आता है। रेलवे चिक्त्सालय में रेलवे के मरीजों के लिए निःशुल्क उपलब्ध है। Stapled Hemorrhoidopexy उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में पहली बार सफलतापूवर्क किया गया। अब रेलवे के मरीजों को इसके लिए दिल्ली एवं अन्य शहरों की खाक नही छाननी पड़ेगी। इस ऑपरेशन के दौरान डॉ० आलोक यादव, डॉ० प्रीति गयाकवाड़, वरिष्ठ नर्सिंग अधीक्षक मनोज लोधा मौजूद थे। चिकित्सा निदेशक डॉ० एस० के० हाण्डू ने रेलवे अस्पताल के शल्य एवं बेहोशी विभाग के चिकित्साकों को शुभकामनाएं दी।

हमारे ग्राहक

"हमारे पास आने वाला हर ग्राहक एक महत्वपूर्ण अभ्यागत है। वह हम पर निर्भर नहीं है, बल्कि हम उस पर निर्भर हैं। वह हमारे काम में बाधक नहीं, साधक है। वह हमारी कार्य-सीमा से विलग नहीं है, बल्कि उसका ही अंग है। हम उसकी सेवा करके सउस पर उपकार नहीं करते वरन् वह हमें सेवा का अवसर प्रदान कर हमें अनुग्रहीत करता है। ग्राहक से तर्क करना उचित नहीं है। उससे तर्क करके अभी तक किसी को सफलता नहीं मिली।" महात्मा गांधी

वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी से महोबा सेक्शन तक चला सघन चेकिंग अभियान

साभारः मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के मार्ग दर्शन में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक द्वितीय अमित आनंद के नेतृत्व में दिनांक २७.०७.२३ को वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी से महोबा सेक्शन में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेक के दौरान २०६०६ चंबल एक्सप्रेस के जीएस कोच में चेकिंग के दौरान दर्श सिंह पुत्र जीतू सिंह नाम का एक १२ वर्षीय नाबालिग लड़का अकेले और बिना टिकट के यात्रा करते हुए पाया गया।

जब उससे उसके माता-पिता के बारे में पूछताछ की गई तो लड़के ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले का रहने वाला है। उसकी माँ उसे मारती है इसलिए वह अपने घर से भाग गया। लड़का कल रात से भूखा था, इसलिए लड़के को भोजन और पानी उपलब्ध कराया गया। बच्चे को अपने माता-पिता का मोबाइल नंबर याद नहीं था। बच्चे को अपने माता- पिता से संपर्क करने और सूचित करने के लिए आरपीएफ महोबा को सौंप दिया गया ताकि बच्चा सुरक्षित अपने घर पहुंच सके। चेक में चंबल एक्सप्रेस, झाँसी प्रयागराज एक्सप्रेस, खजुराहो उदयपुर एक्सप्रेस, बरौनी अहमदाबाद एक्सप्रेस सहित ८ गाड़ियों के महिला व दिव्यांग कोच सहित सारे कोच सघनता से जांच किये गए। चेक में बिना टिकट, अनियमित यात्रा व बिना बुक सामान के १२८ केस पकड़े गए जिनसे रुपए ६३६२५ रुपये वसूल लिए गए। चेक में टिकट स्टाफ अरुण सचान, सुरजीत सिंह, राकेश शर्मा, मोहम्मद आरिफ, शमशेर खान, जी एन सैनी, राजेन्द्र यादव व RPF स्टाफ एम पी शर्मा, दिनेश कुमार शामिल रहे।

सदस्य (परिचालन और व्यवसाय विकास), रेलवे बोर्ड ने किया डीएफसीसीआईएल के ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर(ओसीसी) का निरीक्षण

रे.स.ब्यू./ सूत्रःप्रयागराज। जया वर्मा सिन्हा, सदस्य (परिचालन और व्यवसाय विकास), रेलवे बोर्ड ने दिनांक २२.०७.२०२३ को प्रयागराज दौरे के दौरान में डीएफसीसी आईएल के ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) का निरीक्षण और उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे सतीश कुमार एवं प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। जया वर्मा सिन्हा ने डीएफसीसी आईएल के अ परेशन कंट्रोल सेंटर की कार्य प्रणाली को देखा। उनको अवगत कराया गया कि, डीएफसीसीआईएल ने प्रयागराज (इलाहाबाद) में एक अत्याधुनिक ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) स्थापित किया है जो पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी) के १३३७ किलोमीटर की पूरी मार्ग लंबाई के लिए कमांड सेंटर के रूप में कार्य करेगा, ट्रेन संचालन और बिजली आपूर्ति प्रणाली सहित प्रणाली को नियंत्रित और निगरानी करेगा। ओसीसी मेक-इन-इंडिया का एक शानदार उदाहरण है। जया वर्मा सिन्हा, सदस्य (परिचालन और व्यवसाय विकास) - रेलवे बोर्ड ने ओसीसी में डीएफसी अधिकारियों के साथ बातचीत की और एनआरपी -२०३० के लक्ष्यों को प्राप्त करने में गलियारे की संभावनाओं और इसके लिए दिन-प्रतिदिन के संचालन में आने वाली चुनौतियों के बारे में चर्चा की। उन्होंने डीएफसी अधिकारियों को ८६ प्रतिशत कमीशनिंग हासिल करने और न्यू सोननगर (बिहार) से न्यू साणंद (गुजरात) के बीच कनेक्टिविटी हासिल करने के लिए बधाई दी।इसके उपरांत उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय पहुंचने पर महाप्रबंधक सतीश कुमार ने सदस्य (परिचालन और व्यवसाय विकास), रेलवे बोर्ड का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यालय में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए सिन्हा ने उत्तर मध्य रेलवे की परिचालनिक व्यवस्था की सराहना की और विशेष तौर पर वंदे भारत के उत्कृष्ट और समय बद्ध परिचालन के लिए टीम की प्रशंसा की।

इसी क्रम में उन्होंने संरक्षा के दृष्टिगत एसेट मेंटेनेंस में रोलिंग ब्लॉक प्रोग्राम बना कर कार्य करने के निर्देश दिए।इस दौरान उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे सतीश कुमार एवं प्रमुख विभागाध्यक्ष तथा डीएफ सीसीआईएल के ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर में निदेशक (परिचालन एवं व्यवसाय विकास) के साथ भारतीय रेलवे और डीएफसी के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक ने किया तीहरी लाईन परियोजना का निरीक्षण

रे.स.ब्यू./सूत्रःहाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक अनुपम शर्मा द्वारा गढ़वा रोड-बरवाडीह तीहरी लाईन परियोजना के जारी निर्माण कार्य का दिनांकरू २६.०७.२०२३ को निरीक्षण किया गया। इसके उपरांत महाप्रबंधक द्वारा बरवाडीह स्थित आरओएच शेड का निरीक्षण कर मशीनों, उपकरणों सहित उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं का जायजा लिया गया। महाप्रबंधक द्वारा निरीक्षण के क्रम में बोगी रिपेयर शेड, आरओएच मेन शेड, व्हील लेथ शेड, सीटीआरबी रूम आदि का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत बोगी रिपेयर शेड में एक सुरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें आरओएच शेड के भविष्य में विस्तार की परियोजना के बार में जानकारी दी गयी । सेमिनार में ट्रेन पार्टिंग एवं हॉट एक्सल के बारे में चर्चा की गयी। महाप्रबंधक महोदय ने सेमिनार को संबोधित करते हुए रख-रखाव कार्य और ट्रेन परिचालन के दौरान गुणवत्ता और सुरक्षा पर जोर दिया । निरीक्षण के दौरान धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, आरवीएनएल तथा मंडल के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे ।

मंडल रेल प्रबंधक झांसी का सघन निरीक्षण

रे.स.ब्यू./सूत्रःझांसी। मंडल रेल प्रबंधक झांसी दीपक कुमार सिन्हा ने वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन का औचक निरीक्षण किया गया। दिनांक २६.०७.२३ को उन्होंने पार्किंग, सर्कुलेटिंग एरिया, पुराने पी आर एस गेट द्वारा टी टी ई ल बी, बी आई पी लाउंज , फूड प्लाजा का जायजा लिया । सिन्हा ने यात्री सुविधाओं में वेटिंग रूम, सहयोग पूछताछ, उप स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) आदि को भी देखा। उन्होंने निरीक्षण के क्रम में स्टेशन प्रबंधक रूम, वी आई पी रूम, स्टेशन निदेशक कक्ष में पर्यवेक्षकों के साथ बात की। इसी के साथ शयनयान श्रेणी प्रतीक्षालय, बुकिंग कार्यालय, रिटायरिंग रूम, ल बी , पार्सल, रेल सुरक्षा बल थाना और पी आर एस (यात्री आरक्षण प्रणाली) का भी निरीक्षण किया। मंडल रेल प्रबंधक ने निरीक्षण के दौरान साफ- सफाई, कैटरिंग, अवैध वेंडिंग तथा मेन गेट पर स्कैनर को शीघ्र प्रारंभ करने हेतु सख्त दिशानिर्देश जारी किए गए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी अनियमितता के लिए संबंधित विभाग के सुपरवाइजर पर सीधे-सीधे कार्रवाई होगी। इस अवसर पर संरक्षा संवाद का भी आयोजन किया गया।संरक्षक संवाद के अंतर्गत लगभग ४० सुपरवाइजर को फील्ड में सरक्षा से काम करने के लिए काउंसिल किया गया और कोई भी कमी छुपाने की आवश्यकता नहीं है यदि आपके लेवल पर समाधान नहीं होता तो उच्च अधिकारियों को शीघ्र संज्ञान में लाएं।

निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) आशुतोष चौरसिया, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशिकांत त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(परिचालन) अशोक प्रिय गौतम, वरिष्ठ परिचालन प्रबंधक अखिल शुक्ला, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त विवेकानंद नारायण, स्टेशन निर्देशक कु सीमा तिवारी आदि अधिकारियों के साथ पर्यवेक्षक और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

> इनसान महान पैदा नहीं होता है, उसके विचार उसे महान बनाते हैं. विचार और काम की शुद्धता और सरलता ही महान लोगों को आम लोगों से अलग करती है. वे वही काम करते हैं, जो दूसरे करते हैं, लेकिन उनका मकसद समाज में बदलाव लाना होता है।
>
> -महात्मा गांधी

झाँसी मंडल में मोबाइल वीडियो वैन द्वारा जागरुकता अभियान

वीडियो और ऑडियो विजुअल सिस्टम वाली यह मोबाइल वैन स्टेशन स्कूलों, लेवल क्र सिंगों, गांवों, पंचायतों, तहसीलों, आसपास के बाजारों आदि को कवर कर रही है ।

रे.स.ब्यू./सूत्रःझांसी। संरक्षा सलाहाकार इंजीनियरिंग एस के गुप्ता द्वारा ग्वालियर से ईटावा के मध्य रेलवे स्टेशन ग्वालियर, वराठा पुल ग्वालियर, गोहद चौराहा, गेट नं ३३/टी, गेट नं ५५/टी, शासकीय माध्यमिक विद्यालय फूप, ईटावा रेलवे स्टेशन आदि स्थानों पर मोबाइल वीडियो वैन द्वारा दिनाँक २५.०७.२३ को आम जनता व कर्मचारियों को जागरुक किया गया।

झाँसी मंडल में मोबाइल वीडियो वैन द्वारा जागरुकता अभियान दिनांक २४.०७.२३ से २७.०७.२३ तक चलाया जा रहा है जिसमे प्रतिदिन संरक्षा सलाहाकारों द्वारा ऑडियो विडियो द्वारा जनता के समक्ष प्रदर्शन किया जा रहा है।

वैन में जागरूकता प्रसारण के लिए कई लघु फिल्में बनाई गई हैं जिनमें लेवल क्रॉसिंगों को सावधानी से कैसे पास करें, ट्रैक पर मवेशियों को ना ले जाने,ट्रेन की छत और फुट बोर्ड पर यात्रा ना करें', यात्रा के दौरान कभी भी अजनबी से खाने-पीने की चीजें स्वीकार नहीं करना, ट्रेन में ज्वलनशील सामग्री नहीं ले जाना आदि जैसे विषयों को शामिल किया गया है।

वैन की पूरी यात्रा के दौरान उत्तर मध्य रेलवे के सेफ्टी काउंसलर साथ है, और विषय की बेहतर समझ प्रसारित करने के लिए सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच पैम्फलेट पोस्टर और स्टिकर वितरित कर रहे है ।

सम्पादकीय

भारत की बदलती तस्वीर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के ७७वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लालकिले से देश को संबोधित किया। उन्होने अपने सम्बोधन मे सरकार की उपलब्धियां गिनाई और आगे के लक्ष्य भी स्पष्ट किए। यह लालकिले से दिया गया प्रधानमंत्री के मौजूदा कार्यकाल का आखिरी भाषण था। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे इस समारोह में शामिल नहीं हुए। इस पर विवाद हुआ, लेकिन बाद में खरगे ने कहा कि वह सुरक्षा कारणों से लालकिले के आयोजन में शामिल नहीं हुए। यहां से अगला भाषण किसका होगा, यह २०२४ के लोकसभा चुनावों के जरिए देश की जनता तय करने वाली है। लेकिन पीएम मोदी की खासियत कही जाएगी कि पूरे भाषण में उन्होंने कहीं भी इस अनिश्चितता की छाया नहीं पड़ने दी। मणिपुर का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात की ओर ध्यान दिलाया कि घटनाएं भले पूर्वोत्तर के एक राज्य में हुई हों, उसकी पीड़ा पूरे देश में महसूस की जा रही है। उन्होंने शांति की अपील तो की ही, यह भी आश्वस्त किया कि केंद्र व राज्य सरकारें वहां सामान्य स्थिति बहाल करने के अपने दायित्व को पूरा करने में पूरी ताकत से लगी हुई हैं। भाषण की शुरुआत में ही मणिपुर मुद्दे से भागने के विपक्ष की आलोचनाओं का उन्होंने जवाब दे दिया। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि देश को विकास की राह पकड़ने के लिए करप्शन परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति से आगे बढ़ना होगा। करीब ९० मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने कई नई योजनाओं की घोषणा की और पुरानी योजनाओं पर अच्छे ढंग से अमल के कारण होने वाले फायदों का जिक्र किया। विश्वकर्मा योजना, शहरी गरीबों को घर बनाने के लिए आर्थिक मदद और महिलाओं को ड्रोन बनाने की ट्रेनिंग देने की उनकी घोषणा ने खास तौर पर ध्यान खींचा।

मण्डल मुख्यालय झाँसी में राष्ट्र का ७७ वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित

रे.स.ब्यू./सूत्रःझाँसी मण्डल में राष्ट्र का ७७ वाँ स्वतंत्रता दिवस भव्यता उल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा द्वारा ध्वजारोहण के साथ की गयी जिसके पश्चात राष्ट्रगान हुआ समारोह के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने हमारे महान राष्ट्र के ७७ वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर झाँसी मंडल के सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा महाप्रबन्धक उत्तर मध्य रेलवे द्वारा प्रेषित संदेश का वाचन कर रेलवे की प्रगति व उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी गई। सिन्हा ने रेलवे सुरक्षा बल रेलवे विशेष सुरक्षा बल डीजल स्टाफ गार्ड एवं लोको स्टाफ टिकट चेकिंग स्टाफ मेडीकल स्टाफ सी एण्ड डब्ल्यू स्टाफ इंजीनियरिंग स्टाफ एवं भारत स्काउट गाइड के दलों द्वारा की गयी परेड का निरीक्षण किया। कार्यक्रम में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स सहित सांस्कृतिक टीम व अन्य रेलकर्मियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसमें देश भक्ति नृत्य नुक्कड नाटक छोटे-छोटे स्कूली बच्चों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन शामिल रहा। जिसकी कार्यक्रम में उपस्थित स्टाफ तथा अतिथियों ने प्रशंसा की। इसके अतिरिक्त महिला कल्याण संगठन द्वारा संचालित विद्यालय की छात्रें ने सांस्कृतिक प्रोग्राम में प्रस्तुति दी तथा स्कूल के बच्चों को अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन स्वेता सिन्हा द्वारा उन्हें पोशाक भेंट की गई इसके अतिरिक्त अलावा संरक्षा पुरस्कार के साथ ही संरक्षा विभाग की नुक्कड़ नाटक टीम को भी पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम के अंत में मंडल रेल प्रबंधक अपर मण्डल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) विवेक मिश्र अपर मण्डल रेल प्रबंधक (परिचालन) आर डी मौर्य स्वेता सिन्हा अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन द्वारा तिरंगे गुब्बारे आकाश में छोडे गये। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर राकेश निगम कार्यक्रम के मुख्य आयोजक वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) आशुतोष चौरसिया सहित सभी शाखाधिकारी उपस्थित रहे ।

हिन्दी भाषा रेल की भाषा
हिन्दी भाषा देश की भाषा

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी ने किया झण्डारोहण

साभारः स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत ने आयुक्त कार्यालय एवं जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने कलेक्ट्रेट परिसर में झण्डारोहण किया। ध्वजारोहण बाद कजिलाधिकारी ने लाल पद्ममधर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इसके उपरांत उन्होंने संगम सभागार में भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा स्वतंत्रा संग्राम सेनानियों के परिजनों को अंगवस्त्र एवं पुष्प देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभागार में उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को पंच प्रण की शपथ भी दिलाई। जिलाधिकारी ने उपस्थिति लोगो को सम्बोधित करते हुए अमृत महोत्सव के समापन के अवसर पर ''मेरी माटी, मेरा देश'' कार्यक्रम के आयोजन की बधाई दी। उन्होंने देश की आजादी में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सभी वीर सपूतों के योगदानों को याद करते हुए उन्हें नमन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि जब हम आजाद हुए थे तब देश में विकास निचले पायदान पर था, परंतु हम अपनी मेहनत, लगन व इमानदारी से आज विश्व में अग्रणी देशों में शामिल हैं।

आज हमारा देश रक्षा, अंतरिक्ष, चिकित्सा सहित अन्य क्षेत्रों में विश्व में अग्रणी देशों में है। इस अवसर पर सभी अपर जिलाधिकारीगणों सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारीगणों के अलावा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजन उपस्थित रहे।

पाठकों से

आपको यह अंक कैसा लगा? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते है। कृपया अपने सुझावों, आलोचनाओं से अवश्य ही अवगत करायें। आपके पत्रों का हमें इंतजार रहेगा।

प्रधान सम्पादक

झाँसी मंडल में "मेरी माटी मेरा देश" अभियान के अन्तर्गत पंच प्रण शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

रे.स.ब्यू./सूत्रःझांसी। मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय झांसी में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड द्वारा दिये गये निर्देशानुसार "मेरी माटी मेरा देश" अभियान के अन्तर्गत दिनांकः ११.०८.२३ को आयोजित कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबन्धक दीपक कुमार सिन्हा द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं रेल कर्मचारियों को हाथ में देश की मिट्टी लेकर पंच प्रण की शपथ ग्रहण करायी गयी ।

यह शपथ झाँसी मंडल के विभिन्न स्टेशनों, रेलवे के कार्यालयों व डिपो में सम्बन्धित अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा ग्रहण की गई व शपथ लेते हुये सेल्फी बेबसाईड पर अपलोड की गई। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबन्धक/इन्फ्रा विवेक मिश्रा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी बृजेश कुमार चतुर्वेदी, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशिकांत त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (द्वितीय) अमित आनंद, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं टेलिकॉम इंजिनीयर अमित गोयल, मुख्य परियोजना प्रबंधक डी पी गर्ग, मंडल कार्मिक अधिकारी-।, रवीन्द्र कुमार, मंडल कार्मिक अधिकारी-।।, जी० पी० मिश्रा, सहायक कार्मिक अधिकारी-।, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, सहायक कार्मिक अधिकारी-।।, लबी अब्राहम सहित मंडल के अन्य शाखा अधिकारियों ने मंडल रेल प्रबन्धक की मौजूदगी में हाथ में देश की मिट्टी लेकर पंच प्रण की शपथ ग्रहण की ।

राजभाषा की स्वीकृति कानून या सर्कुलर से नहीं बल्कि सद्भावना, प्रेरणा और प्रयास से आती है-अमित शाह

पसूका/नई दिल्लीः केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में संसदीय राजभाषा समिति की ३८वीं बैठक की अध्यक्षता की। दिनांकः ०४.०८.२०२३ को अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने आजादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में देश के सामने पांच प्रण रखे हैं जिनमें से दो प्रण हैं- विरासत का सम्मान और गुलामी के चिन्हों को मिटाना। अमित शाह ने कहा कि इन दोनों प्रण के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए सभी भारतीय भाषाओं और राजभाषा को अपनी शक्ति दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि विरासत का सम्मान भाषा के सम्मान के बिना अधूरा है और राजभाषा की स्वीकृति तभी आएगी जब हम स्थानीय भाषाओं को सम्मान देंगे। उन्होंने कहा कि हिन्दी की स्पर्धा स्थानीय भाषाओं से नहीं है, सभी भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने से ही राष्ट्र सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि बिना किसी प्रकार के विरोध के राजभाषा की स्वीकृति बनाने की आवश्यकता है, चाहे इसकी गति धीमी रहे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इनीशिएटिव लेकर इंजीनियरिंग और मेडिकल के पाठ्यक्रमों को १० भाषाओं में शुरू कर दिया है और जल्द ही ये सभी भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होंगे और वह क्षण स्थानीय भाषाओं और राजभाषा के उदय की शुरूआत का क्षण होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं के प्रसार के लिए इससे अनुकूल समय कोई और नहीं हो सकता जब देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी हर वैश्विक मंच पर हिन्दी सहित अन्य भारतीय भाषाओं को गर्व से रखते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी संसद में एक भी भाषण अंग्रेजी में नहीं देते और सरकार के मंत्री भी भारतीय भाषाओं में भाषण देने का प्रयास करते हैं, इससे अलग-अलग भाषाओं को जोड़ने के आंदोलन को बहुत गति मिलती है। अमित शाह ने कहा कि राजभाषा की स्वीकृति कानून या सर्कुलर से नहीं बल्कि सद्भावना, प्रेरणा और प्रयास से आती है। उन्होंने कहा कि गुलामी के कालखंड के बाद भी भारतीय भाषाएं और उनके शब्दकोष अक्षुण्ण रहे, जो एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। अमित शाह ने कहा कि भाषाओं ने हमारे देश को जोड़ने का काम किया है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से २०१४ तक संसदीय राजभाषा समिति के प्रतिवेदन के ६ खंड प्रस्तुत किए गए और २०१९ से अब तक तीन खंडों को अनुमोदित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इन खंडों को विषयवार तैयार किया गया है और इस १२वें खंड का मुख्य विषय सरलीकरण है। अमित शाह ने संसदीय राजभाषा समिति के सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया और विश्वास व्यक्त किया कि समिति आगे भी इसी प्रकार राजभाषा के संवर्धन और प्रसार के लिए काम करती रहेगी। बैठक में संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष भर्तृहरि महताब, केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा और निशिथ प्रमाणिक और संसदीय राजभाषा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के केराकत रेलव स्टेशन में बरौनी-गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस का अस्थायी ठहराव

रे.स.ब्यू./सूत्रः बिलासपुर रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के अंतर्गत "केराकत" रेलवे स्टेशन में १५२३१/१५२३२ बरौनी-गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस का अस्थायी प्रायोगिक ठहराव की सुविधा दिनांक १५ अगस्त, २०२३ से प्रदान की जा रही है । यह ठहराव प्रायोगिक तौर पर अस्थायी रूप से ६ महीने के लिए दिया गया है । दिनांक १५ अगस्त, २०२३ को बरौनी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १५२३१ बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस का "केराकत" रेलवे स्टेशन में १६.१३ बजे पहुचकर १६.१५ बजे रवाना होगी तथा दिनांक १४ अगस्त, २०२३ को गोंदिया से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १५२३२ गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस का "केराकत" रेलवे स्टेशन में २१.२२ बजे पहुचकर २१.२४ बजे रवाना होगी ।

महाप्रबंधक कार्यालय में निर्माण संगठन द्वारा राजभाषा की आकर्षक प्रदर्शनी का आयोजन

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज उत्तर मध्य रेलवे महाप्रबंधक कार्यालय में निर्माण संगठन द्वारा सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार राजभाषा के प्रयोग-प्रसार में बहुआयामी प्रगति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्यो की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शन में निर्माण संगठन द्वारा हिंदी में निष्पादित कार्यो की सुरुचिपूर्ण प्रस्तुति की गई। महाप्रबंधक सतीश कुमार ने मंगल दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक सतीश कुमार ने कहा कि कार्यालय के कामकाज में भाषा का प्रयोग करते समय पत्रचार, आदेश इत्यादि सभी कार्यो की विषयवस्तु पूरी तरह स्पष्ट होनी चाहिए, ताकि निचले क्रम के कर्मचारीगण उन्हें सही तौर पर आत्मसात कर उनका समुचित अनुपालन सुनिश्चित कर सकें। सतीश कुमार ने कहा कि राजभाषा का प्रयोग करते हुए हमारा उद्देश्य अपने कामकाज को तेजी के साथ पूरा किया जाना होना चाहिए। इसके लिए कार्यप्रणाली में इस्तेमाल किए जा रहे साफ्टवेयरों और एप्लिकेशनों में राजभाषा हिंदी का प्रावधान होना चाहिए और उनका अपग्रेडेशन किया जाना चाहिए। महाप्रबंधक सतीश कुमार ने निर्माण संगठन द्वारा राजभाषा हिंदी में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यो की सराहना की और राजभाषा प्रदर्शनी एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु दस हजार रूपए तथा रंगोली की उत्कृष्ट साज-सज्जा के लिए ढाई हजार रूपए के पुरस्कार की घोषणा की।

इस क्रम में संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण से संबंधित मदों के अनुसार निर्माण संगठन के सभी कार्यालयों द्वारा हिंदी में किए गए कार्यो की समीक्षा की गई।

कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण मंजुल माथुर द्वारा महाप्रबंधक सतीश कुमार का स्वागत किया गया और और उन्हें विभाग द्वारा राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्यो से अवगत कराया गया। इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी मनीष कुमार गुप्ता, मुख्य इंजीनियर/मुख्यालय/निर्माण संतोष कुमार गुप्ता, मुख्य इंजीनियर/उत्तर नरेंद्र सिंह, मुख्य परियोजना प्रबंधक/प्रयागराज एम.एस. हाशमी, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी/निर्माण विष्णु बजाज, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/औ.स.एवं निर्माण एस.के. सिंह, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी/मु. चंद्रभूषण पाण्डेय तथा राजभाषा एवं निर्माण संगठन के सभी अधिकारी, वरिष्ठ पर्यवेक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

वाणिज्य विभाग एवं रेलवे मजिस्ट्रेट के समन्वय में चला सघन टिकट जांच अभियान

रे.स.ब्यू./सूत्रःमंडल रेल प्रबंधक,झांसी दीपक कुमार सिन्हा के मार्ग दर्शन तथा रेलवे मजिस्ट्रेट अरुण क्रांति के नेतृत्व में दिनांक ०४.०८.२३ को वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन पर सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। उक्त जांच अभियान में बिना टिकट ४० यात्री पकडे गए जिन पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए जुर्माना वसूल किया गया। इस दौरान ०५ अवैध वेंडर को पकड़कर जेल भेजा गया तथा ओंन स्पष्ट सभी अधिकृत दस्तावेज प्रस्तुत न करने की स्थिति में पकड़े गए ३५ वेंडर्स के खिलाफ भी कार्यवाही की गयी। अवगत कराया जाता है की दिनांक ०६.०८.२३ को झाँसी मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन के माननीय प्रधानमत्री जी के द्वारा विडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास को ध्यान में रखते हुए यह सख्त कार्यवाही अमल में लायी गयी है। टिकट जांच अभियान के माध्यम से अवैध यात्रा करने वाले यात्रियों पर अन्कुश लगाया जा रहा है, जिससे आरक्षित यात्रियों को यात्रा में सुगमता हो रही है।

उत्तर मध्य रेलवे में राष्ट्र का ७७ वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज उत्तर मध्य रेलवे प्रधान कार्यालय प्रयागराज में राष्ट्र का ७७ वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाप्रबंधक सतीश कुमार द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक ने रेलवे सुरक्षा बल, भारत स्काउट एवं गाइड तथा सेंट ज न एम्बूलेन्स ब्रिगेड की परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक एवं अध्यक्षा, उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन रूबी रानी सिंह ने तिरंगे गुब्बारे हवा में छोड़े । इस अवसर पर महाप्रबंधक महोदय ने प्रयागराज मंडल १४ रेल सुरक्षा बल पोस्टों के लिए प्रदान किए गए १४ वाहनों को गहरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके उपरांत रेल सुरक्षा बल के श्वान दस्ते द्वारा विभिन्न प्रदर्शन कर अपनी दक्षता का प्रदर्शन किया। इस अवसर उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा, पदाधिकारी एवं अन्य सदस्य, उत्तर मध्य रेलवे के सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, अन्य अधिकारी गण एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं उनके परिवार के सद्स्य उपस्थित रहे ।

> राष्ट्रभाषा किसी व्यक्ति या प्रांत की संपत्ति नहीं है, इस पर सारे देश का अधिकार है।
> सरदार वल्लभ भाई पटेल

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में हिंदी नाट्य प्रतियोगिता-२०२३ संपन्न

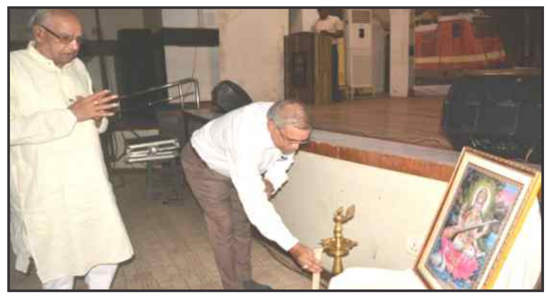

रे.स.ब्यू./सूत्रःबिलासपुर। अखिल रेल नाट्य उत्सव में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रधान कार्यालय, राजभाषा विभाग के तत्त्वाधान में दिनांक ३१ जुलाई, २०२३ को रेलवे एन.ई. इंस्टिट्यूट, बिलासपुर में हिंदी नाट्य प्रतियोगिता -२०२३ का आयोजन किया गया । नाटक मंचन हेतु प्रविष्टियां मंडलों एवं कारखानों से मंगवाई गई थी। इस क्रम में वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर के नाटक सज्जनपुर रेलवे स्टेशन और प्रधान कार्यालय के नाटक बेयन को मंचन की अनुमति दी गई । यह आयोजन द.पू.म.रेलवे बिलासपुर के मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य सामग्री प्रबंधक - ।।। के मुख्य आतिथ्य में किया गया । निर्णायकद्वय के रूप में अध्यक्ष रेलवे भर्ती बोर्ड एवं बिलासपुर शहर के प्रतिष्ठित बिलासा कला मंच के संरक्षक को आमंत्रित किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं निर्णायकद्वय के करकमलों से दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर हुआ । सर्वप्रथम वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर के नाटक दल द्वारा नाटक-सज्जनपुर रेलवे स्टेशन का मंचन किया गया ।

इस नाटक में समाज में शांति और सौहाद्र का संदेश देते हुए दिखाया गया कि धार्मिक उन्माद के चरम पर पहुंचने से पैदा हुई नफरत और कट्टरता से फैली त्रासदी किस तरह सामान्य जीवन जीने वाले आम लोगों को प्रभावित करती है। बांग्ला की मशहूर लेखिका महाश्वेता देवी की कहानी बेयन से प्रेरित नाटक बेयन में दलितों के साथ होने वाले भेदभाव, छुआछूत व समाज में व्याप्त अंधविश्वास के जाल में फँसी स्त्री चंडी दासी और उसके परिवार का कलाकारों द्वारा बहुत ही मार्मिक ढंग से मंचन किया गया ।

इस अवसर पर उपस्थित दर्शकों ने नाटक मंचन का भरपूर आनंद लिया और तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रधान कार्यालय द्वारा प्रस्तुत नाटक बेयन को एवं द्वितीय स्थान वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर के नाटक सज्जनपुर रेलवे स्टेशन को दिया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी एवं वरिष्ठ सामग्री प्रबंधक । ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ अनुवादक ने किया। राजभाषा विभाग, मुख्यालय के राजभाषा कर्मियों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया ।

रेल कार्यालय में प्रेमचंद जयंती सह हिंदी कार्यशाला का आयोजन

साभारः पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय/हाजीपुर में प्रेमचंद जयंती सह हिंदी कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए वरीय साहित्यकार डॉ शैलेन्द्र राकेश ने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय/हाजीपुर द्वारा उत्साहपूर्वक प्रेमचंद जयंती का आयोजन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि राजभाषा विभाग गण-मान्य साहित्यकारों की जयंतियों को प्राथमिकता के आधार पर आयोजित करता रहता है ताकि हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार बढ़े ही, रेल कार्यालय में सृजनात्मक वातावरण का निर्माण भी हो। डॉ राकेश ने कहा कि प्रेमचंद का स्थान कोई दूसरा लेखक नहीं ले सकता, किसी रचनाकार की रचनाओं में सच्चाई और यथार्थवादी, प्रगतिशील मूल्य तब उभरते हैं जब उसका जीवन भी वैसे मूल्यों का वाहक हो. उन्होंने प्रेमचंद की शिक्षाओं को जीवन में उतारने का सलाह दिया और कहा कि हम प्रेमचंद के ऋणी हैं और उनकी विरासत को बचाना हम सभी का कर्तव्य है। प्रेमचंद और हिंदी के विकास पर बोलते हुए सहायक कार्मिक अधिकारी प्रभात कुमार ने कहा कि हिंदी भाषा और साहित्य को विश्व की उन्नत भाषाओं के समकक्ष बनाने में प्रेमचंद का महत्वपूर्ण योगदान है। राजभाषा अधिकारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि आजीवन गरीबी और अभाव से लड़ते हुए प्रेमचंद ने हिंदी के लिए जो कार्य किया वह ऐतिहासिक महत्व का है। इस अवसर पर रेलकर्मियों ने प्रेमचंद के जीवन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रेमचंद वास्तव में कलम के सिपाही थे. कार्यक्रम के दूसरे-सत्र में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ शैलेन्द्र राकेश ने कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में कार्यशालाओं का महत्वपूर्ण स्थान है। इस अवसर पर उन्होंने भारत सरकार के राजभाषा नीति संबंधी प्रमुख निर्देशों का उल्लेख किया और बताया कि राजभाषा में कार्य करने के लिए नीति-नियमों को जानना जरूरी है। हमलोग खुशकिस्मत हैं कि हमारी मातृभाषा हिंदी है, परंतु साथ में यह भी सत्य है कि इससे हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ती है कि हम अपनी मातृभाषा के प्रयोग-प्रसार में क्या सार्थक योगदान करते हैं। आज के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया.

रेल मंत्रालय कुछ रेलवे स्टेशनों पर करेगा प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र स्थापित

पसूका/नई दिल्लीः भारतीय रेलवे ने कुछ रेलवे स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया और कॉनकोर्स में रेलवे स्टेशनों पर आने वाले यात्रियों के कल्याण और भलाई के लिए प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र (पीएमबीजेके) स्थापित करने के लिए एक नीतिगत ढांचा तैयार किया है, जिनका संचालन लाइसेंसधारक करेंगे। लाखों दैनिक आगंतुकों और यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, भारतीय रेलवे अपने स्टेशनों पर सुविधाओं में लगातार वृद्धि कर रहा है। रेलवे स्टेशनों पर पीएमबीजेके स्थापित करने के उद्देश्य इस प्रकार हैं। सभी को किफायती मूल्यों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां और उपभोज्य वस्तुएं (जनऔषधि उत्पाद) उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार के मिशन को बढ़ावा देना। रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों/आगंतुकों को जनऔषधि उत्पादों का आसानी से उपयोग करने में सक्षम बनाना। किफायती मूल्यों पर दवाइयां उपलब्ध कराकर समाज के सभी वर्गों के बीच कल्याण और भलाई को बढ़ावा देना। पीएमबीजेके खोलने के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना और उद्यमियों के लिए अवसर जुटाना। इस योजना के तहत पीएमबीजेके को अपेक्षित यात्री सुविधा माना जाएगा और उसके अनुसार रेलवे वाणिज्यिक रूप से लाइसेंसधारकों द्वारा संचालन के लिए सर्कुलेटिंग एरिया और स्टेशनों के कॉनकोर्स में तैयार किये गए आउटलेट उपलब्ध कराएगा। ये आउटलेट सुविधाजनक स्थानों पर सर्कुलेटिंग एरिया/परिसरों में स्थित होंगे, ताकि स्टेशनों पर आने और जाने वाले सभी यात्रियों को लाभ हो। पीएमबीजेके रेलवे डिवीजनों द्वारा पहचान किए गए स्थानों पर लाइसेंसधारियों द्वारा स्थापित और संचालित किए जाएंगे। आईआरईपीएस के माध्यम से संबंधित रेलवे डिवीजनों के साथ ई-नीलामी द्वारा स्टाल प्रदान किए जाएंगे। इन स्टालों को एनआईडी अहमदाबाद द्वारा डिजाइन किया जाएगा। पीएमबीजेके आउटलेट्स के सफल बोलीदाताओं को जन औषधि की दुकान चलाने के लिए आवश्यक अनुमति और लाइसेंस प्राप्त करना होगा तथा उन्हें दवाइयों के भंडारण के लिए सभी वैधानिक आवश्यकताओं का भी अनुपालन करना होगा। पीएमबीजेके आउटलेट्स के सफल बोलीदाताओं को परिचालन शुरू करने से पहले पीएमबीजेके के लिए नोडल एजेंसी यानी फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) और जनऔषधि योजना (पीएमबीआई द्वारा अनिवार्य) के लिए अधिकृत वितरकों के साथ भी एक समझौता करना होगा।

सरकार गांव गरीब किसान नवयुवक एवं महिलाओं के विकास एवं उत्थान के लिए समर्पित एवं कृतसंकल्पित- उपमुख्यमंत्री

साभारः स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पुलिस लाइन में ध्वजारोहण किया। उपमुख्यमंत्री ने विभाजन की विभीषिका विषयक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने वहां पर बनाये गये सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी भी ली। स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर मेरी माटी,मेरा देश,मिट्टी को नमन वीरो का वंदन आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करते हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी,सैनिकों, युवक-महिला मंगल दलों के खिलाड़ियों,चिकित्सा,साहित्यक चित्रकार एवं खिलाड़ियों को पुष्पगुच्छ,अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मकसूद उल्ला,सैनिकों में वायुसेना के एयर कोमोडोर पी०के० शर्मा, सुशीला देवी पत्नी शहीद सूबेदार देव नारायण पाल, मेराज फातमा पत्नी शहीद सिपाही वहाब खान, तारा देवी पत्नी शहीद हवलदार गणेश यादव,युवक-महिला मंगल दलों के शिल्पा सरोज, सीता देवी तथा सुधांशु मिश्रा को खेल प्रोत्साहन सामाग्री,चिकित्सा क्षेत्र से डॉ० एस०पी० सिंह, प्रधानाचार्य मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज,खिलाड़ियों में रणविजय सिंह,शदाब रजा, विनोद सिंह, मयंक श्रीवास्तव, कु० अनुप्रिया यादव,कु० फलक नाज,कु० श्रेया सिंह,अभिन्न श्याम गुप्ता,आर०एस० बेदी, कृष्णानंद,साहित्यकारों में रवि नंदन सिंह,प्रो० हरिदत्त शर्मा, डा० एम० गोविंद राजन तथा चित्रकार के रूप में प्रो० श्याम बिहारी अग्रवाल है। आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री जी ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में बने हुए खेल मैदानों का बटन दबाकर लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को अमृत काल के पंच प्रण-विकसित भारत का लक्ष्य, गुलामी के हर अंश से मुक्ति, अपनी विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता तथा नागरिकों में कर्तव्य की भावना की शपथ दिलायी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री जी ने सभी लोगो को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश की सरकार सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास के सिद्धांत पर कार्य करते हुए सभी पात्र लोगो को बिना किसी भेदभाव के संचालित योजनाओं से लाभान्वित करा रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार गांव गरीब,किसान, नवयुवक एवं महिलाओं के विकास एवं उत्थान के लिए समर्पित एवं कृतसंकल्पित है और इसके लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों के इलाज के लिए आयुष्मान योजना के तहत ५ लाख तक का मुफ्त इलाज की सुविधा के साथ-साथ गम्भीर रोगो के लिए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री राहत कोष से भी सहायता प्रदान की जाती है। इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास,गैस कनेक्शन, जनधन योजना,विद्युत कनेक्शन राशन सहित अन्य योजनाओं से सरकार बिना किसी भेदभाव के पात्र लोगो को लाभान्वित करा रही है। उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश एवं प्रदेश की अर्थव्यवस्था तेजी के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि २०२५ में लगने वाले महाकुम्भ मेले में लगभग ४८ करोड़ लोगो के आने की सम्भावना है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने उपमुख्यमंत्री जी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया। उपमुख्यमांत्री जी ने जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में ज्वालादेवी सरस्वती इण्टर कालेज,सेंट एंथोनी कॉनवेंट स्कूल के छात्रओं के द्वारा स्वागत गीत एवं वंदेमातरम् का गायन किया गया। इस अवसर पर महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी, विधायक करछना पीयूष रंजन निषाद, विधान परिषद के सदस्य सुरेन्द्र चौधरी एवं निर्मला पासवान गंगापार अध्यक्ष अश्वनी दुबे, यमुनापार अध्यक्ष विभव नाथ भारतीया,अवधेश गुप्ता,सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों के अलावा मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत,पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा,मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार,जिला विकास अधिकारी भोलानाथ कनौजिया,परियोजना निदेशक ए०के० मौर्या सहित अन्य अधिकारीगणों के अलावा काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

> हिंदी वह धागा है जो विभिन्न मात भाषाओं रूपी फूलों को पिरोकर भारत माता के लिए सुंदर हार का सर्जन करेगा।
>
> डॉ जाकिर हुसैन

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर केंद्रीय चिकित्सालय प्रयागराज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के उपलक्ष्य में केंद्रीय चिकित्सालय प्रयागराज में स्वास्थ्य जांच शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ७३ मरीजों की हेपेटाइटिस की जांच की गयी। इस अवसर पर एसीएचडी/ एडमिन डॉ. कल्पना मिश्रा द्वारा मरीजों एवं आम नागरिक को हेपेटाइटिस के संबंध में जन जागरूक करने के क्रम में इसके विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। इसी कार्यक्रम में एशियन हॉस्पिटल फरीदाबाद के ऑन्कोल जिस्ट डॉ. प्रवीण बंसल ने लीवर कैंसर और हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए उपलब्ध टीके पर व्याख्यान दिया गया।

Dilip Kumar Singh took over the charge of SDGM, NCR

SOURCE/CPRO:Dilip Kumar Singh has taken over the charge of Senior Deputy General Manager, North Central Railway. The Senior Deputy General Manager is the head of Vigilance Department of the zonal Railways. Shri Dilip Kumar Singh is an officer of 1990 batch of Indian Railway Service of Signal Engineering. Prior to joining as Senior Deputy General Manager, Shri Singh was working as Divisional Railway Manager, Alipurduar junction, Northeast Frontier Railway. Dilip Kumar Singh completed his Bachelor of Engineering degree in Electronics & Communication from University of Roorkee in the year 1990 and joined Indian Railways in the year 1991. Singh has worked on several important posts over Indian Railways viz Additional Divisional Railway Manager/ Agra, Chief Communication Engineer/ North Central Railway, Executive Director/ Tele/ RDSO etc

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण एवं मार्ग परिवर्तन

रेल प्रशासन द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गोरखपुर छावनी स्टेशन पर यार्ड मे तीसरी लाइन के कार्य हेतु किये जा रहे नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन एवं निरस्तीकरण करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

1. **गाड़ी सं 12538 प्रयागराज रामबाग- मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि** 14.08.2023, 16.08.2023 21.08.2023, 23.08.2023, 28.08.2023 एवं 30.08.2023. को निरस्त रहेगी।
2. **गाड़ी सं 12537 मुजफ्फरपुर- प्रयागराज रामबाग एक्सप्रेस यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि** 14.08.2023, 16.08.2023, 21.08.2023, 23.08.2023, 28.08.2023 एवं 30.08.2023. को निरस्त रहेगी ।
3. **गाड़ी सं 22531 छपरा- मथुरा एक्सप्रेस यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि -** 14.08.2023, 16.08.2023, 18.08.2023, 21.08.2023, 23.08.2023, 25.08.2023, 28.08.2023 एवं 30.08.2023 को निरस्त रहेगी।
4. **गाड़ी सं 22532 मथुरा- छपरा एक्सप्रेस यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि-** 14.08.2023, 16.08.2023, 18.08.2023, 21.08.2023, 23.08.2023, 25.08.2023, 28.08.2023 एवं 30.08.2023. को निरस्त रहेगी।

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

1. **गाड़ी सं 15707 कटिहार-अमृतसर यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि-** तत्काल प्रभाव से 29.08.2023 तक अपने परिवर्तित मार्ग छपरा-गाजीपुर सिटी-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज-कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलेगी।
2. **गाड़ी सं 15708 अमृतसर- कटिहार यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि-** तत्काल प्रभाव से 29.08.2023 तक अपने परिवर्तित मार्ग कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज - बनारस-वाराणसी- गाजीपुर सिटी-छपरा के रास्ते चलेगी।
3. **गाड़ी सं 02563 बरौनी - नई दिल्ली यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि-** तत्काल प्रभाव से 30.08.2023 तक अपने परिवर्तित मार्ग छपरा-गाजीपुर सिटी -वाराणसी-बनारस-प्रयागराज-कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलेगी ।
4. **गाड़ी सं 02564 नई दिल्ली - बरौनी यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि** तत्काल प्रभाव से 30.08.2023 तक अपने परिवर्तित मार्ग कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज - बनारस-वाराणसी- गाजीपुर सिटी - छपरा के रास्ते चलेगी।
5. **गाड़ी सं 02569 दरभंगा- नई दिल्ली यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि-** तत्काल प्रभाव से 30.08.2023 तक अपने परिवर्तित मार्ग छपरा-गाजीपुर सिटी -वाराणसी-जौनपुर-शाहगंज-अयोध्या छावनी-बाराबंकी-एशबाग के रास्ते चलेगी।
6. **गाड़ी सं 02570 नई दिल्ली - दरभंगा यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि-** तत्काल प्रभाव से 30.08.2023 तक अपने परिवर्तित मार्ग एशबाग-बाराबंकी-अयोध्या छावनी-शाहगंज-जौनपुर-वाराणसी-गाजीपुर सिटी-छपरा. के रास्ते चलेगी ।
7. **गाड़ी सं 18201 दुर्ग- नौतनवा यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि-** 16.08.2023, 18.08.2023, 23.08.2023, 25.08.2023 एवं 30.08.2023 तक अपने परिवर्तित मार्ग मानिकपुर- प्रयागराज-प्रतापगढ़ - अयोध्या - मनकापुर- गोरखपुर के रास्ते चलेगी।
8. **गाड़ी सं 18202 नौतनवा- दुर्ग यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि-** 13.08.2023, 18.08.2023, 20.08.2023, 25.08.2023, 27.08.2023 तक अपने परिवर्तित मार्ग गोरखपुर-मनकापुर-अयोध्या-प्रतापगढ़ -प्रयागराज - मानिकपुर के रास्ते चलेगी।

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

1289/23 (ADM)

North central railways @CPRONCR @northcentralrailway www.ncr.indianrailways.gov.in

गरिमा के साथ मनाया गया दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने ७७ वां स्वतंत्रता दिवस

रे.स.ब्यू./सूत्रः बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुख्यालय सहित सभी मंडलों पर ७७वें स्वतंत्रता दिवस पूरी गरिमा व परंपरा के अनुसार दिनांक १५ अगस्त २०२३ को मनाया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आलोक कुमार, महाप्रबंधक द्वारा प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त मनोहर खुर्शीद की अगुवाई में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया । तदउपरांत उन्होंने रेल सुरक्षा बल के जवानों, सिविल डिफेन्स एवं सेन्टजांस एम्बुलेंस के द्वारा तैयार किये गये आकर्षक परेड का निरीक्षण किया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि आलोक कुमार ने ७७वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई दिया । उन्होने कहा कि १५ अगस्त का दिन हम सभी देशवासियों के लिए एक गौरवशाली दिन है । आज का दिन उन सभी अमर शहीदों तथा देशभक्तों को याद करने का दिन है जिन्होनें आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी । हम सभी अपने कर्तव्यों का पालन और देश के हित में मिलकर कार्य करें,उनके प्रति यही सच्ची श्रद्धांजली होगी । देश की गति व प्रगति में भारतीय रेलवे का सदैव महत्वपूर्ण योगदान रहा है । आम जनों को यातायात के सुलभ व किफायती साधन प्रदान करने में भारतीय रेलवे व दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका है। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा प्रदेशों में अपनी सेवा प्रदान करता हुआ यह रेलवे अपनी भूमिका का निरंतर उन्नयन कर रहा है । हमारे लिए यह गौरव कि बात है कि बिलासपुर, रायपुर व दुर्ग सहित हमारे ६ स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास प्रधानमंत्री के द्वारा ०६ अगस्त २०२३ किया गया । अमृत भारत स्टेशन स्कीम के अंतर्गत इस रेलवे के ४६ रेलवे स्टेशनों का उन्नयन १८६८ करोड़ रुपए रुपये की लागत से किया जाएगा। स्टेशनों को विकसित करने का लक्ष्य हमारे रेल यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं और बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करना है । इसके अंतर्गत स्टेशन पर उन्नत व आधुनिक सुविधाओं से युक्त वेटिंग हॉल,खान-पान, पीने का पानी की सुविधा के साथ एटीएम, इंटरनेट,वॉशरूम, कवर शेड, स्टैंडर्ड साइनेज आदि शामिल हैं। स्टेशन पर वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्याङ्ग जन के अनुकूल सुविधाएं होंगी । स्थानीय कला और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए स्टेशन को सिटी सेंटर की तरह विकसित किया जायेगा । उन्होने कहा कि हमें गर्व है कि देश कि छठवीं और मध्य भारत कि पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत ११ दिसम्बर २०२२ को प्रधानमंत्री के द्वारा नागपुर से बिलासपुर के बीच की गई । यात्रियों को और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने हेतु टीटीई को हैंड हेल्ड टर्मिनल डिवाइस प्रदान किया गया । इस प्रणाली से ट्रेनों की खाली बर्थ ऑटोमेटिक रूप से यात्रियों को प्राप्त होती है । मोबाइल के माध्यम से यात्रियों को घर बैठे जनरल टिकट प्राप्त करने की सुविधा प्रदान की गई है । गत वर्ष विभिन्न स्टेशनों में २५ नए फुट ओवर ब्रिज, १४ प्लेटफार्म शेल्टर व १७ प्लेटफॉर्म रेजिंग के कार्य किए गए । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की १६ ट्रेनों में परंपरागत आईसीएफ कोच की जगह आरामदायक एलएचबी कोच लगाए गए।

राष्ट्र की गति और प्रगति के साथ कदमताल करते हुये हमने माल ढुलाई में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की। वित्तीय वर्ष २०२२-२३ में हमारी रेलवे ने रिकॉर्ड २१४ मिलियन टन से अधिक माल ढुलाई किया। यह सब आप सभी रेल कर्मियों के सम्मिलित प्रयासों से ही संभव हो सका है । इसमें आपके परिवारजनों का भी सहयोग शामिल है । इसके लिए आपस भी बधाई के पात्र हैं । इस बार हमें २३४ मिलियन टन माल ढुलाई का लक्ष्य मिला है । यद्यपि लक्ष्य कठिन है, लेकिन हम एक साथ मिलकर इस लक्ष्य को प्राप्त करने में भी सफल होंगे ।बढ़ते हुए ट्रैफिक व भविष्य में अधिक सुविधा प्रदान करने हेतु आधार भूत संरचना के कार्य तीव्रगति से किए जारहे हैं। वित्तीय वर्ष २०२२-२३ में हमनें २५० किलोमीटर नए सेक्शन के निर्माण के साथ,१७० किलोमीटर ऑटो सिग्नलिंग की कमीशनिंग के कार्य को पूरा किया । जबलपुर-गोंदिया, छिंदवाड़ा-मांडला फोर्ट गेज कनवर्जन, केवटी–अंतागढ़ नई लाइन, रायपुर-टिटलागढ़ दूसरी लाइन जैसे महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न कर इनमें यात्री ट्रेन सेवाओं की शुरुआत कर दी ।

देश के विभाजन के कारणों को जानना, यह हम सभी का उत्तरदायित्व- उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

विभाजन के दौर को मेरे परिवार ने स्वयं झेला- हर्षवर्धन वाजपेयी

साभारः उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित गोष्ठी कार्यक्रम में सम्मलित हुए। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी से पूर्व जिन लोगो ने भारत की स्थिति को देखा या उस पीड़ा को महसूस किया है तथा किताबों में उस स्थिति को पढ़ा है, उसके मन में यह प्रश्न जरूर उठता है कि देश का विज्ञाजन क्यूं हुआ और फिर देश में विभाजन की स्थिति न आयें, इसके लिए देश के सभी लोगो को अपनी जिम्मेदारियों को समझना होगा। उन्होंने कहा कि संकल्प लेना होगा कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हो, हम अपने देश का विभाजन नहीं होने देंगे। देश का विभाजन ऐसा घाव है, जो कभी भर नहीं सकता है। देश के विभाजन के कारणों को जानना, यह हमारा उत्तरदायित्व है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश सुरक्षित हाथों में है। देश की सीमाओं का अतिक्रमण करने का किसी भी देश में साहस नहीं है। हमारी बहादुर सेना के जवान पूरी मुस्तैदी के साथ देश की रखवाली कर रहे है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सबका साथ- सबका विकास-सबका विश्वास के सिद्धांत पर कार्य करते हुए सभी पात्र लोगो तक केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी ने अपने सम्बोधन में कहा कि अब भविष्य में देश का कभी भी विभाजन न हो, इसके लिए हम सभी को अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा तथा इसके लिए निरंतर कार्य करते रहना है। विधायक शहर पश्चिमी सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि हम सभी को उन परिस्थितियों पर गौर करना चाहिए कि जो विभाजन हुआ था, वह उचित था या नही। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल के विचारों पर विस्तार से चर्चा की। विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी ने अपने सम्बोधन में कहा कि विभाजन के दौर को मेरे परिवार ने स्वयं झेला है। विभाजन के समय कितनी कठिन परिस्थितियां देश के सामने आयी होगी, यह हमारे परिवार के लोगो ने करीब से देखा है। इस अवसर परविधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्या, विधान परिषद सदस्य के०पी० वास्तव, मती निर्मला पासवान, सुरेन्द्र चौधरी, पूर्व विधायक दीपक पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि गणों के अलावा काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कार्यो में लापरवाही या उदासीनता बरतने पर होगी कड़ी कार्रवाई-जिलाधिकारी

साभारः जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री संगम सभागार में विकास प्राथमिकता वाले ३७ बिंदुओं की समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि कार्यो में लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं होगी। कार्यो में लापरवाही या उदासीनता पाये जाने एवं कार्यो की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी पाये जाने पर सम्बंधित अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को आईजीआरएस की शिकायतों को अनिवार्य रूप से निर्धारित समय सीमा में निस्तारित किए जाने का निर्देश दिया है साथ ही साथ यह भी निर्देशित किया है कि शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पशुओं के टीकाकरण एवं ईयर टैगिंग के कार्य की जानकारी प्राप्त करते हुए इसे अभियान चलाकर कराये जाने का निर्देश दिए है। उन्होंने वेलनेस सेंटर के निर्माणाधीन कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने एवं क्रियाशील वेलनेस सेंटरों का सत्यापन कराये जाने का निर्देश दिया है। पीएमजीएसवाई की सड़कों के निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने दिव्यांग शौचालय निर्माण के पगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कन्या सुमंगला योजना की प्रगति में सुधार लाने एवं दुग्ध समितियों के पुनर्गठन के निर्देश दिए है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पूर्वोत्तर रेलवे मे स्वतंत्रता दिवस

रे.स.ब्यू./सूत्र गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक चन्द्र वीर रमण ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गोरखपुर में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा रेलवे सुरक्षा बल के जवानों, नागरिक सुरक्षा संगठन एवं स्काउट/गाइड के सदस्यों तथा रेलवे विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधत करते हुये महाप्रबन्धक रमण ने रेल कर्मियों, उनके परिवार के सदस्यों, रेल उपयोगकर्त्ताओं एवं सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनायें दीं तथा देश की स्वतंत्रता हेतु अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों एवं देशभक्तों को नमन किया। उन्होंने कहा कि देश के स्वतंत्रता की ७६वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाकर देश में राष्ट्र प्रेम को जागृत किया जा रहा है। देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले राष्ट्रीय ध्वज को पूर्वोत्तर रेलवे के २६ स्टेशनों पर १०० फीट ऊँचे स्तम्भों पर फहराया गया है। उन्होंने कहा कि ०७ जुलाई, २०२३ को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने पूर्वोत्तर रेलवे की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को गोरखपुर से हरी झंडी दिखाई तथा गोरखपुर जं. स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी।

०६ अगस्त, २०२३ को माननीय प्रधानमंत्री जी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत पूरे देश में ५०८ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास किया गया, जिनमें पूर्वोत्तर रेलवे के १२ स्टेशन सम्मिलित हैं। रमण ने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे रेल यात्रियों को सुरक्षित, संरक्षित, आरामदेह एवं तीव्रगामी यात्रा सुविधा उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विभिन्न रेल खण्डों का दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण पूर्ण कर यात्री यातायात के लिये खोल दिया गया। इन्दारा- दोहरीघाट का आमान परिवर्तन एवं विद्युतीकरण तथा गाजीपुर सिटी-ताड़ीघाट नई लाइन का निर्माण, विद्युतीकरण सहित पूरा किया गया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पूर्वोत्तर रेलवे के ५५ स्टेशनों को पुनर्विकास हेतु चयनित किया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे के सभी अ परेशनल बड़ी लाइन खण्डों का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण पूर्ण कर लिया गया है। महाप्रबन्धक ने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे के १२ स्टेशनों पर २८ एस्केलेटर तथा ११ स्टेशनों पर ३० लिफ्ट लगाई गई हैं।

ट्रेनों में हैण्ड हेल्ड टर्मिनल के माध्यम से बर्थ आवंटन एवं टिकट बनाने का कार्य किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है। इस वर्ष १२ स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज का निर्माण तथा १६ स्टेशनों पर २० प्लेटफार्मों के उच्चीकरण/विस्तार का कार्य किया गया। पूर्वोत्तर रेलवे से ०३ भारत गौरव ट्रेनों का संचलन किया गया। इस वित्त वर्ष माह जुलाई तक २५ विशेष गाड़ियों का संचलन ६२० ट्रिप में किया गया। महाप्रबन्धक रमण ने कहा कि इस वित्त वर्ष में माह जुलाई तक ५.१७ करोड़ आरम्भिक यात्रियों से यात्रा की, इससे आरम्भिक यात्री यातायात से रू. ६७६.८ करोड़ की आय हुई, जो गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में २२.६ प्रतिशत अधिक है। जुलाई, २०२३ तक पूर्वोत्तर रेलवे को सकल राजस्व के रूप में रू. १४७७.७७ करोड़ की प्राप्ति हुई। वित्त वर्ष २०२३-२४ में जुलाई तक रू० ६२ करोड़ से अधिक मूल्य के स्क्रैप की बिक्री की गई। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष में माह जुलाई तक ७६१५ किलोलीटर एच.एस.डी. की बचत हुई, जिसके फलस्वरूप रू. ७० करोड़ के रेल राजस्व की बचत हुई। इस वित्त वर्ष माह जुलाई, २०२३ तक सोलर पैनल से १८.५ लाख यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन हुआ, जिससे रू. ७३ लाख की बचत हुई। महाप्रबन्धक ने रेलवे सुरक्षा बल के उपलब्धियों के बारे में कहा कि लखनऊ मंडल के ०७ आर.पी.एफ. पोस्टों पर सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाये गये। इस वर्ष माह जुलाई तक रेलवे सुरक्षा बल द्वारा स्टेशनों एवं गाड़ियों से २६७ खोये अथवा लावारिस बच्चों को बरामद कर उन्हें सुरक्षित आश्रय स्थल उपलब्ध कराया गया।

केन्द्रीय चिकित्सालय प्रयागराज में मनाया गया विश्व स्तनपान सप्ताह

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे केन्द्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज में विश्व स्तनपान सप्ताह २०२३ मनाया गया। स्तनपान की सुरक्षा, प्रचार और समर्थन के लिए हर साल यह अगस्त के पहले सप्ताह में मनाया जाता है। इस अवसर पर स्तनपान के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने और प्रेरित करने के लिए प्रदर्शनी, शैक्षिक वार्ता, पावरप इंट प्रस्तुति और प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग १२० प्रतिभागियों ने बातचीत की और स्तनपान और उचित बाल पोषण पर अपने मिथकों और संदेहों को दूर किया। कार्यक्रम का आयोजन चिकित्सा निदेशक, डॉ. एस. के. हांडू की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम के दौरान इस विषय पर डॉ. कल्पना मिश्रा बाल रोग विशेषज्ञ केंद्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज ने व्याख्यान दिया।

महाकुम्भ २०२५ के दृष्टिगत जिला एवं रेलवे प्रशासन की समन्वय बैठक हुई सम्पन्न

साभारः महाकुम्भ २०२५ के दृष्टिगत कराये जा रहे स्थायी कार्यो के ससमय कियान्वयन हेतु जिला प्रशासन एवं रेलवे प्रशासन की समन्वय बैठक डी०आर०एम० उ०म०र० प्रयागराज डिवीजन, हिमांशू बदोनी की अध्यक्षता एवं मण्डलायुक्त, विजय विश्वास पंत समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में डी०आर०एम० कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में मेलाधिकारी कुम्भ मेला विजय किरन आनन्द भी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे एवं इसमें जनपद के विभिन्न लेवल क्रासिंग पर बनाये जा रहे सेतुओं, रेलवे स्टेशनों के आस-पास कराये जा रहे चौड़ीकरण / सौन्दर्यकरण के कार्यो, रेलवे परिसर में रेलवे द्वारा कराये जा रहे विकास कार्यो तथा अन्य संबंधित अन्तर्विभागीय कार्यो पर विस्तार पूर्वक चर्च की गयी। पिछले कुम्भ में आयी भीड़ को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि इस बार १५ से २० प्रतिशत ज्यादा श्रद्धालुओं के आगमन की अपेक्षा की जा रही है तथा सारी व्यवस्थायें इन आंकडों को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। इस क्रम में जिला प्रशासन ने रेलवे प्रशासन से प्रयागराज से लखनऊ सुपरफास्ट ट्रेन चलाने तथा प्रयागराज को पर्यटन के सर्किट से जोड़ने के दृष्टिगत मिर्जापुर वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट, को जोड़ते हुए एक विशेष ट्रेन चलाने का अनुरोध किया है। इसके दृष्टिगत डी०आर०एम० हिमांशू बदोनी ने प्रदेश सरकार से एक औपचारिक प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया है जिसको अग्रेतर कार्यवाही हेतु रेलवे बोर्ड में अग्रसारित किया जा सके। इसके अतिरिक्त प्रयागराज जनपद के अन्तर्गत आने वाले उ०म०रे, उ०पू०रे० एवं उ०रे० के परिसरों में जिला प्रशासन ने स्वच्छ भारत मिशन से सुन्दर कम्युनिटी टायलेट विकसित करने का भी प्रस्ताव दिया है जिससे कि आने वाले श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधायें उपलब्ध कराने में आसानी हो सके। इन शौचालयों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाएगा ताकि महा कुम्भ के पश्चात भी इन्हें क्रियाशील रखने में कोई परेशानी न हो। साथ ही जिला प्रशासन रेलवे अधिकारियों से समन्वय बनाते हुए पर्याप्त संख्या में होल्डिंग एरिया एवं पार्किंग का चिन्हांकन कर विकसित करने, विभिन्न स्टेशनों से मेला तक शटल बस चलाने तथा एनएमसीजी, पर्यटन विभाग तथा स्वच्छ भारत मिशन के संयुक्त तत्वावधान में पेट माई सिटी कम्पेन चलाने हेतु आवश्यक कार्यवाही कर रहा है। बैठक में राज्य सेतु निगम एवं रेलवे द्वारा विभिन्न लेवल क्रासिंग पर बनाये जा रहे सेतुओं, विभिन्न रेलवे स्टेशनों के एप्रोच रोड के चौडीकरण, नवाब यूसुफ रोड के चौडीकरण, नैनी स्टेशन प्लेटफार्म -४ के सम्पर्क मार्ग के चौड़ीकरण, सूबेदारगंज स्टेशन के एप्रोच रोड के चौड़ीकरण, नैनी रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म-१ की ओर के मार्ग को ६ मीटर से बढाकर १० मीटर करने तथा अन्य संबंधित कार्यो पर भी चर्चा की गयी। महाकुम्भ मेले के दृष्टिगत विभिन्न रेलवे स्टेशनों एवं आस-पास में किस तरह के कार्य होने चाहिए इस संबंध में रेलवे द्वारा एक गैप एनालसिस भी तैयार की गयी है जिस पर जिला प्रशासन रेलवे अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य कर रहा है। संयुक्त रूप से कार्यो का चिन्हांकन होने के बाद सौन्दर्यीकरण एवं चौड़ीकरण के अन्य कार्य भी किए जायेंगे।

प्रधानमंत्री ने देश भर में रखी ५०८ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ०६ अगस्त, २०२३ को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर में ५०८ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी।

पसूका/नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक ऐतिहासिक कदम के रूप में, वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए देश भर के ५०८ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की दिनांकः ०६.०८.२०२३ को आधारशिला रखी। २४,४७० करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकसित ये ५०८ स्टेशन २७ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश में ५५, राजस्थान में ५५, बिहार में ४६, महाराष्ट्र में ४४, पश्चिम बंगाल में ३७, मध्य प्रदेश में ३४, असम में ३२, ओडिशा में २५, पंजाब में २२, गुजरात में २१, तेलंगाना में २१, झारखंड में २०, आंध्र प्रदेश में १८, तमिलनाडु में १८, हरियाणा में १५ और कर्नाटक में १३ स्टेशन शामिल हैं। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि नया भारत, जो विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है, वह अमृत काल के उदय पर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ‘‘नई ऊर्जा, नई प्रेरणा और नए संकल्प हैं’’ और यह भारतीय रेल के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने बताया कि देश के लगभग १३०० प्रमुख रेलवे स्टेशनों को अब आधुनिकता के साथ अमृत भारत स्टेशन के रूप में पुनर्विकसित किया जाएगा और उन्हें नया जीवन मिलेगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि १३०० रेलवे स्टेशनों में से आज लगभग २५,००० करोड़ रुपये की लागत से ५०८ अमृत भारत स्टेशनों की आधारशिला रखी जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुनर्विकास परियोजना रेलवे के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी देश में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक बड़ा अभियान होगा। यह देखते हुए कि इसका लाभ देश के सभी राज्यों तक पहुंचेगा, प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि उत्तर प्रदेश में लगभग ४,००० करोड़ रुपये की लागत से ५५ अमृत स्टेशन विकसित किए जाएंगे और राजस्थान में भी ५५ स्टेशन अमृत स्टेशन बनाएं जाएंगे, मध्य प्रदेश में लगभग १,००० करोड़ रुपये की लागत से ३४ स्टेशन, महाराष्ट्र में १,५०० करोड़ रुपये की लागत से ४४ स्टेशन और तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल में प्रमुख रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने रेल मंत्रालय की प्रशंसा की और इस ऐतिहासिक परियोजना के लिए नागरिकों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने विश्व में भारत के बढ़ते कद और भारत में बढ़ती वैश्विक रुचि को रेखांकित किया। उन्होंने इसके लिए दो प्रमुख कारकों को श्रेय दिया। पहला, भारत के लोगों द्वारा एक स्थिर पूर्ण बहुमत वाली सरकार का चुनाव और दूसरा, सरकार ने महत्वाकांक्षी निर्णय लिए तथा लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप उनके विकास के लिए निरंतर कार्य किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय रेल भी इसका प्रतीक है। उन्होंने अपनी बातों को स्पष्ट करने के लिए रेल सेक्टर के विस्तार के तथ्य प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि पिछले ६ वर्षों में देश में बिछाई गई पटरियों की लंबाई दक्षिण अफ्रीका, यूक्रेन, पोलैंड, ब्रिटेन और स्वीडन में संयुक्त रेलवे नेटवर्क से अधिक है। भारतीय रेलवे में विस्तार परिप्रेक्ष्य को सामने रखते हुए, प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि केवल पिछले एक वर्ष में ही भारत ने दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के संयुक्त रेलवे नेटवर्क की तुलना में अधिक रेलवे ट्रैक बिछाए।

उन्होंने कहा कि आज सरकार रेल यात्रा को सुगम बनाने के साथ-साथ सुखद बनाने के लिए भी काम कर रही है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास रेलगाड़ी से स्टेशन तक सर्वोत्तम संभव अनुभव प्रदान करना है। उन्होंने प्लेटफार्मो पर बैठने की बेहतर जगह, उन्नत प्रतीक्षालयों और हजारों स्टेशनों पर निःशुल्क वाईफाई का उल्लेख किया।

भारतीय रेल में हुए व्यापक विकास को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई भी प्रधानमंत्री लाल किले से इन उपलब्धियों के बारे में चर्चा करना पसंद करेगा। हालांकि, प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस कार्यक्रम के भव्य आयोजन के कारण वह आज ही रेलवे की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने रेलवे के दर्जे को देश की जीवन रेखा बताते हुए कहा कि इसके साथ ही शहरों की पहचान उन रेलवे स्टेशनों से भी जुड़ी है जो समय व्यतीत होने के साथ शहरों की केंद्रस्थली बन गए हैं। इससे स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप प्रदान करना अनिवार्य हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इतने सारे स्टेशनों के आधुनिकीकरण से देश में विकास के लिए एक नया वातावरण बनेगा क्योंकि वे आगंतुकों के बीच एक अच्छी प्रथम छाप छोड़ेंगे। अपग्रेड किए गए स्टेशनों से न केवल पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि आस-पास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना कारीगरों की मदद करेगी और जिले की ब्रांडिंग में सहायता करेगी। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि देश ने आजादी का अमृत काल में अपनी विरासत पर गर्व करने का भी संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये अमृत रेलवे स्टेशन अपनी विरासत पर गर्व करने और प्रत्येक नागरिक में गौरव की भावना भरने के प्रतीक होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत स्टेशन भारत की सांस्कृतिक और स्थानीय विरासत की झलक प्रस्तुत करेंगे। प्रधानमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि जयपुर रेलवे स्टेशनों पर राजस्थान के हवा महल और आमेर किले की झलक देखने को मिलेगी, जम्मू-कश्मीर का जम्मू तवी रेलवे स्टेशन प्रसिद्ध रघुनाथ मंदिर से प्रेरित होगा और नगालैंड का दीमापुर स्टेशन क्षेत्र की १६ विभिन्न जनजातियों की स्थानीय वास्तुकला को प्रदर्शित करेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक रेलवे स्टेशन प्राचीन विरासत के साथ-साथ देश की आधुनिक आकांक्षाओं का प्रतीक होगा। प्रधानमंत्री ने भारत गौरव यात्रा रेलगाडियों को सुदृढ़ बनाने का उल्लेख किया।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सी.ई.ओ. द्वारा नोएडा में अत्याधुनिक रेलवे हेल्थ यूनिट का उद्घाटनरू रेलवे लाभार्थियों के लिए स्वास्थ्य देखभाल सुविधा का एक नया युग

पसूका/नई दिल्लीः नोएडा में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक क्षण, क्योंकि भारतीय रेलवे अपने लाभार्थियों को स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आज उठाया गया है । नोएडा के सेक्टर १ स्थित इरकॉन भवन में रेलवे हेल्थ यूनिट का उद्घाटन आज अनिल कुमार लाहोटी, अध्यक्ष एवं सी.ई.ओ. रेलवे बोर्ड द्वारा शोभन चौधुरी, महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुगंधा राहा, महानिदेशक रेलवे स्वास्थ्य सेवाएँ और सुखविंदर सिंह, मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली तथा रेलवे बोर्ड और उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। नोएडा के मध्य में स्थित और मेट्रो नेटवर्क से निर्बाध रूप से जुड़ी यह अत्याधुनिक हेल्थ यूनिट सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ रेलवे लाभार्थियों और उनके परिवारों के लिए स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार है। इस सुविधा की स्थापना आसपास के क्षेत्र में रहने वाले सेवानिवृत्त रेलवे कर्मियों के लिए राहत की किरण है। अब इन सेवानिवृत्त व्यक्तियों को अपनी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए दिल्ली नहीं जाना पड़ेगा, खासकर जब उन्हें बढ़ती उम्र की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा हो। विस्तार से डिजाइन की गई, रेलवे हेल्थ यूनिट एक शांत और सुखदायक माहौल का प्रतीक है जो मरीजों को आराम देने के लिए तैयार है।

इसके शीर्ष पर एक समर्पित वरिष्ठ डॉक्टर के साथ-साथ कुशल स्टाफ है, जिसे लाभार्थियों की विविध स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चुना गया है। इस हेल्थ यूनिट के स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना है, यह सुनिश्चित करना कि सम्मानित सेवानिवृत्त रेलवे कर्मियों को उनके पड़ोस में ही आरामदेह चिकित्सा की सुविधा मिले। यह प्रावधान कर्मचारियों की अनुपस्थिति में परिवार के सदस्यों को आसानी से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने की अनुमति देता है, इस प्रकार पूरे रेलवे समुदाय के लिए आश्वासन और कल्याण की भावना को बढ़ावा मिलता है।

Amar Kumar Sinha joins as Principal Finance Advisor (PFA), North Central Railway

SOURCE/CPRO: Amar Kumar Sinha, an officer of 1990 batch of Indian Railway Account Service (IRAS) has joined as Principal Finance Advisor, NCR. Earlier he was working as Principal Finance Advisor, BLW/Varanasi. Shri Amar Kumar Sinha is considered as one of the dynamic officers of Indian Railways with extensive experience of Railway working and administration and has served in various zones like Chittaranjan Locomotive Workshop, North Eastern Railway, East Central Railway, Banaras Locomotive Works and North Central Railway in different capacities. He has wide experience of working in account department.

आयुष मंत्रालय के कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देने के कार्य को और आगे बढ़ाएंगेः केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोणोवाल

पसूका/नई दिल्लीः हिन्दी सलाहकार समिति की प्रथम बैठक का आयोजन केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोणोवाल की अध्यक्षता में आयुष मंत्रालय की शनिवार दिनांकः २६.०७.२०२३ को नई दिल्ली में हुआ। इस बैठक में सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए विचार-विमर्श किया गया और कई प्रकार के सुझाव भी प्रस्तुत किए गए। समिति के सदस्यों ने मंत्रालय के कार्य की सराहना भी की। बैठक में सर्बानंद सोणोवाल जी ने कहा कि आयुष मंत्रालय के कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देने के कार्य को और आगे बढ़ाएंगे' उन्होंने कहा कि हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों के हिन्दी में कार्य करने को लेकर दिये गये बहुमूल्य सुझाव बहुत बेहतर साबित होंगे। ये पहली बैठक नई दिल्ली में आयोजित की गई है, लेकिन आने वाली बैठकें हम देश के अलग-अलग प्रांतों में करेंगे। वैसे ये बैठक छह महीने में एक बार होने का प्रावधान है लेकिन हमने ये तय किया है कि इस तरह की बैठकों को छह महीने में दो बार आयोजित करेंगे, बार-बार बैठेंगे, विचार-विमर्श करेंगे तो निश्चित रूप से हम निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। बैठक में मौजूद आयुष राज्य मंत्री डॉ. मुंजपरा महेंद्र भाई जी ने कहा कि केंद्र सरकार के कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों का ये संवैधानिक दायित्व बनता है कि सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करें। देश के अधिकतम नागरिक हिंदी भाषा को समझते और बोलते हैं। ये विश्व की प्राचीनतम भाषाओं में से एक है। ये जैसी बोली जाती है, वैसी ही लिखी भी जाती है। हमारे देश के ज्यादातर लोग हिंदी में ही सोचते हैं। यदि हम अपने विचार उसी भाषा में व्यक्त करें, जिसमें हम सोचते हैं, तो हम अपने विचारों को अच्छी तरह दूसरे व्यक्ति को समझा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाषा विचारों की अभिव्यक्ति है। भाषा किसी व्यक्ति की योग्यता का परिचायक नहीं हो सकती इसलिए हमें कार्यालय में दैनिक कार्यो जैसे बैठकों, कार्यशालाओं आदि में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए और अपने कामकाज में हिंदी को प्रमुखता से स्थान देना चाहिए। आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि हिंदी हमारे देश में बोली और समझी जाने वाली एक सरल भाषा है। लोगों के बीच ये एक संपर्क भाषा का कार्य करती है। आयुष चिकित्सा के महत्व और उपचार के बारे में देश को हिंदी के माध्यम से ही जागरूक किया जा सकता है। मंत्रालय इस दिशा में बहुत काम कर रहा है। सरकारी कामकाज में हिंदी को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के लिए हम हर स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। हिंदी केवल अनुवाद की ही भाषा बनकर न रह जाए, ये हम सभी लोगों को सुनिश्चित करना होगा। उपनिदेशक राजभाषा विभाग, आयुष मंत्रलय राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि हमने एक सॉफ्टवेयर बनाया है जिसका नाम कंठस्थ है। कंठस्थ वस्तुतः ट्रांसलेशन मेमोरी (टी.एम.) पर आधारित मशीन अनुवाद व्यवस्था को दिया गया एक नाम है। ट्रांसलेशन मेमोरी मशीन के जरिये अनुवाद प्रणाली का एक भाग है जिससे अनुवाद की प्रक्रिया में सहायता मिलती है। ट्रांसलेशन मेमोरी वस्तुतः एक डेटाबेस है जिसमें स्रोत भाषा के वाक्यों एवं लक्षित भाषा में उन वाक्यों के अनुवादित रूप को एक-साथ रखा जाता है। ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित इस सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें अनुवादक पूर्व में किए गए अनुवाद को किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुनः-प्रयोग कर सकता है। यदि अनुवाद की नई फाइल का वाक्य टी.एम. के डेटाबेस से पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से मिलता है तो यह सिस्टम उस वाक्य के अनुवाद को टी.एम. से लाता है।

उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में ये एक बहुत ही काम का सॉफ्टवेयर है जिसकी बहुत आवश्यकता थी। इससे पहले आयुष मंत्रलय के संयुक्त सचिव राहुल शर्मा ने आयुष मंत्रलय के सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देने के कार्यो को प्रस्तुत किया। हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्यों ने भी अपने-अपने सुझाव मौखिक और लिखित रूप से प्रस्तुत किए जिन पर विचार-विमर्श भी किया गया। बैठक में संयुक्त सचिव आयुष राहुल शर्मा के साथ हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. हेमचंद्र वैद्य, ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव, डॉ. स्वीटी यादव, डॉ. किरण हजारिका, वीरेंद्र कुमार यादव, राहुल कुमार, पार्थसारथि थपलियाल, ऋषभ नाग एवं आयुष मंत्रालय के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे के १२५वें प्रबंधन विकास कार्यक्रम आयोजित

साभारः उत्तर मध्य रेलवे के १२५वां प्रबंधन विकास कार्यक्रम का केमटेक, ग्वालियर में दिनांक ०७.०८.२०२३ से ११.०८.२०२३ के बीच आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यालय से ०४, प्रयागराज मंडल से ०६, झाँसी मंडल एवम कारखाना से ०६, आगरा मंडल से ०५ तथा कारखाना सिथौली से ०३ सहित कुल ३० सुपरवाईजारों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डा. जे.पी. रावत, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज द्वारा किया गया था। इस प्रबंधन विकास कार्यक्रम का डी.के.सिंह, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, प्रयागराज के मार्गदर्शन, अंकुर चंद्रा, उप महाप्रबंधक (सा.)/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज के निर्देशन, संतोष बाजपेयी, सहायक उप महाप्रबंधक, प्रयागराज के नेतृत्व एवं मुख्य कार्य अध्ययन निरीक्षकों पुष्पेंद्र सिंह, मनदीप कुमार एवं चन्द्र प्रकाश राय के कुशल प्रबंधन द्वारा आयोजन हुआ। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में डा. जे.पी. रावत, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, हिमांशु महेश्वरी, संयुक्त निदेशक(बिजली)/केमटेक/ग्वालियर, डा. जितेंद्र कुमार, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (याता)/उत्तर मध्य रेलवे/ प्रयागराज, दीपक मेहरा, निदेशक(सिविल)/केमटेक/ग्वालियर, मन्नू प्रकाश दुबे, अपर महाप्रबंधक(ओपी-बिडी)/डीएफसीसीआइएल/ प्रयागराज, डॉ अमित मालवीय, वरिष्ठ जन सम्पर्क अधिकारी/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, संतोष बाजपेयी, सहायक उप महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, एच एस उपाध्याय, मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, आशीष कुमार अग्रवाल, मुख्य सामाग्री प्रबन्धक (निर्माण) /उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, अनुपम सक्सेना, उप मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक (खान पान एवं यात्री सेवा)/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, मुकेश कुमार कुलश्रेष्ठ,उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज एवं अंकुर चंद्रा, उप महाप्रबंधक (सा.)/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज द्वारा क्रमशः स्वास्थ्य प्रबंधन, संरक्षा, अनुशासन एवं अपील नियम, निविदा एवं अनुबंध में क्या करें और क्या ना करें, तनाव प्रबंधन, रेलवे में जनसम्पर्क विभाग का कर्तव्य, आर.टी.आई., समूह का गठन एवं लीडरशिप, समय प्रबंधन, अभिप्रेरण, आचरण नियम एवं सतर्कता विषयों पर व्याखान दिए गए। उक्त कार्यक्रम में "स्वास्थ्य" विषय पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक के साथ पुरस्कार राशि तथा चतुर्थ एवं पंचम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सांत्वना राशि का पुरस्कार प्रदान किया गया। उक्त कार्यक्रम का समापन दिनांक ११.०८.२०२३ को अंकुर चंद्रा, उप महाप्रबंधक (सा.)६ उत्तर मध्य रेलवे६प्रयागराज द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र तथा निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण के साथ किया गया।

सभी जेड.आर.यू.सी.सी./डी.आर. यू.सी.सी.सदस्य

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044, 9935224867

सरकार ने भारतीय चिकित्सा प्रणालियों के तहत उपचार चाहने वाले विदेशी नागरिकों के लिए आयुष वीजा की बनाई एक नई श्रेणी

पसूका/नई दिल्ली/ गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने उपचार की आयुष प्रणालियों/ भारतीय चिकित्सा प्रणालियों के तहत उपचार के उद्देश्य से विदेशी नागरिकों के लिए आयुष (एवाई) वीजा की नई श्रेणी बनाए जाने को अधिसूचित किया है। आयुष वीजा की शुरुआत आयुष प्रणालियों/ चिकित्सीय देखभाल, कल्याण और योग जैसी चिकित्सा की भारतीय प्रणालियों के तहत इलाज के उद्देश्य से भारत आने वाले विदेशियों के लिए एक विशेष वीजा योजना शुरू करने के प्रस्ताव को पूरा करती है। इसके तहत चौप्टर ११- मेडिकल वीजा अ फ द वीजा मैनुअल के बाद एक नया चौप्टर यानी चौप्टर ११ए- आयुष वीजा शामिल किया गया है, जो भारतीय चिकित्सा प्रणालियों के तहत उपचार से संबंधित है और तदनुसार वीजा मैनुअल, २०१६ के विभिन्न चौप्टर में आवश्यक संशोधन किए गए हैं।केंद्रीय आयुष और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, "आयुष प्रणालियों/भारतीय चिकित्सा प्रणालियों के तहत इलाज चाहने वाले विदेशी नागरिकों के लिए आयुष (एवाई) वीजा की नई श्रेणी का बनना एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे भारत में मेडिकल वैल्यू ट्रैवल को बढ़ावा मिलेगा। इस पहल से हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारतीय पारंपरिक चिकित्सा को वैश्विक स्तर पर ले जाने के विजन को पूरा करने के हमारे प्रयास को मजबूती मिलेगी। मैं एक विशेष आयुष वीजा श्रेणी बनाने के प्रयासों के लिए भारत सरकार के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी बधाई देना चाहता हूं।"यहां इस बात का उल्लेख करना उचित है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अप्रैल २०२२ में गांधीनगर, गुजरात में वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन (जीएआईआईएस) में आयुष चिकित्सा की तलाश में रहने वाले विदेशी नागरिकों को भारत की यात्रा सुविधाजनक बनाने के लिए एक विशेष आयुष वीजा श्रेणी बनाने की घोषणा की थी। आयुष वीजा श्रेणी का परिचय सरकार की हील इन इंडिया पहल के लिए भारत के रोडमैप का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारत को एक चिकित्सा के लिहाज से आकर्षक यात्रा गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना है। आयुष मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत को दुनिया के मेडिकल पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने के लिए वन स्टॉप हील इन इंडिया पोर्टल विकसित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।हाल के वर्षों में भारत में मेडिकल वैल्यू ट्रैवल में खासी बढ़ोतरी देखने को मिली है। ग्लोबल वेलनेस इंस्टीट्यूट (जीडब्ल्यूआई) 'द ग्लोबल वेलनेस इकोन मी: लुकिंग बियॉन्ड कोविड' रिपोर्ट के मुताबिक, ग्लोबल वेलनेस यानी वैश्विक कल्याण से संबंधित अर्थव्यवस्था सालाना ६.६ प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। आयुष आधारित स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण अर्थव्यवस्था के वर्ष २०२५ तक बढ़कर ७० अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। आयुष मंत्रलय राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर उपचार की आयुष प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए कई मोर्चो पर काम कर रहा है। हाल ही में, आयुर्वेद और चिकित्सा की अन्य पारंपरिक प्रणालियों में मेडिकल वैल्यू ट्रैवल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिलकर काम करने के लिए भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी), पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

कॉनकॉर
CONCOR
(भारत सरकार का नवरत्न उपक्रम)

भारत 2023 INDIA

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हमारा लक्ष्य - ग्राहक मूल्य सृजन

Our Ethos - Customer Value Creation

BULK CEMENT HANDLING

CONCOR has come up with an effective solution for Transporting Bulk Cement through Regular Containers in Rail transport. With Rail being the mainstay of CONCOR's transportation plans & strategy, CONCOR developed cost effective, environmentally friendly bulk cement loading and unloading technology to utilise the most environment friendly rail transport.

CONTAINER AS WAREHOUSE

As there is huge demand for warehousing and in order to facilitate trade to have an economical warehousing space, CONCOR has offered its containers for use on a nominal charges. Using container as warehouse helps customers to get benefits of avoiding multiple handling, transportation, savings on time, money and quality of products, Spillage & Wastage are avoided, No fumigation at Customers godowns/warehouses. Cargo is stored in Containers.

INDIGENOUS CONTAINER MANUFACTURING

In line with Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi ji's vision of Make in India and Atma Nirbhar Bharat, CONCOR floated an Expression of Interest (EoI) for prospective indigenous container manufacturers. This will help to overcome the shortage of containers, promote exports, increase employment & economic growth & saves on precious foreign exchange.

TOTAL LOGISTICS SOLUTIONS(TLS)

TLS is being provided & created in Multi Modal Logistics Parks across various strategic locations for containerized cargo of both EXIM and Domestic. TLS Advantages are Efficient rail transportation of containers, State of the art facilities, Massive warehousing capacity, Country-wide network, large fleet of containers, Fleet of Third party Container & Cargo Trucks for FLML (First Mile Last Mile Connectivity), Relationship with top-end customers & with various intermediaries in logistics.

भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड, कॉनकॉर भवन, सी-3, मथुरा रोड, नई दिल्ली - 110076
Container Corporation of India Ltd.
CONCOR Bhawan, C-3, Mathura Road, Opposite Apolla Hospital, New Delhi - 110076

Follow us on Social Media
@OfficialCONCOR
UCsa4y9J0e-bOw8W3J-Aylkw
@concor_india
co.pro@concorindia.com

कंटेनर की बात, कॉनकॉर के साथ (A Navratna Undertaking of Govt. of India) Think Container, Think CONCOR

कोई भी चीज़ इतनी अच्छी नहीं होती जितनी प्रतीत होती है।
जार्ज इलियट

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. 329/255, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-211003 से प्रकाशित। आर.एन. आई नं.51097-90 पोस्ट ए.डी-8
मो. 9793956044,9935224867
फोन नं.-0532-2418040

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१.उच्चतम अधिकारी- ५,००० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- ३५०० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-२५०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-१०००रु.मात्र

प्रबंध संपादक
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव/ अनिल केन
रेल समाचार ब्यूरो कैंप कार्यालय-८४३६ आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-५५